THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM) : (a) As per Land use Statistics, the total cultivated area in the country during the last three years ending 1990-91 (latest available) is as under :—

(Million hects)

Year	Area
1988-89 .	155.9
1989-90 .	155.4
1990-91 .	156.0

(b) Records of area under different systems of farming as indicated by ownership are not maintained.

(c) Does not arise.

(d) Various parameters including sustainability are considered before adopting particular method of cultivation or system of farming.

गन्ने की खेती

551. चौधरी हरमोहन सिंह :
श्री ईश दत्त यादव :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गत तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य को गन्ने पर अनुसंधान और विकास कार्य के लिए कोई सहायता दी गई है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ग) गन्ना उत्पादकों को उनके उत्पादन का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किए गए हैं और उक्त अवधि के दौरान उत्तर प्रदेश में प्रतिवर्ष कुल कितनी भूमि पर गन्ने की खेती की गई ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री(श्री एस. कृष्ण कुमार) : (क) जी, हां ।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश को गन्ना अनुसंधान तथा विकास कार्यों के लिए निम्नलिखित सहायता दी गई है :—

(क) अनुसंधान :

i. अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान प्रायोजना (गन्ना) के तहत सहायता रु० 16.35 लाख

ii. अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान प्रायोजना (गन्ना, गुड़ तथा खांडसारी) के तहत दी गई सहायता रु० 7.39 लाख

(ख) गन्ना अनुकूली अनुसंधान प्रायोजना के तहत विकास सहायता रु० 1276.16 लाख

(ग) भारत सरकार ने वर्ष 1993–94 मौसम (अक्तूबर, 1993 से सितम्बर, 1994 तक) के लिए गन्ने की फैक्ट्रियों द्वारा देय गन्ने के सांविधिक न्यूनतम मूल्य 32.50 रु० प्रति क्विंटल को बढ़ाकर 34.50 रु० प्रति क्विंटल करने का निर्णय लिया है जो उच्च वसूलियों के लिए समानुपात लाभांश के साथ मूल गन्ने की 8.5 प्रतिशत वसूली से जुड़ा है।

वर्ष 1994–95 मौसम के लिए गन्ने का सांविधिक न्यूनतम मूल्य 37 रु० प्रति क्विंटल होगा जो उपरोक्त में बताई गई वसूली से संबद्ध है। उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 1993–94 मौसम के गन्ने के लिए 58.0 तथा 61.0 रु० प्रति क्विंटल मूल्यों की घोषणा की है जबकि ये मूल्य वर्ष 1992–93 (रु० 46.49 प्रति क्विंटल) से अधिक है ।

पिछले तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में गन्ने के तहत निम्नलिखित क्षेत्र था:—

वर्ष	क्षेत्र (000 हैक्टेयर)
1991–92	1932.0
1992–93	1857.2
1993–94	1796.0 (अग्रिम आकलन)

भूखमरी से हुई मौतें

552. श्री कनक सिंह मोहनसिंह मंगरोला :
चौधरी हरमोहन सिंह:

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले छह महीनों के दौरान कुछ राज्यों से भुखमरी के कारण हुई मौतों के समाचार प्राप्त हुए हैं ;

(ख) यदि हां, तो इसका राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेतम) : (क) जी, नहीं ।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठते ।

Irrigated area in the country

553. SHRI KANAKSINH MOHANSINH MANGROLA : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) the percentage of total irrigated area in the country till the end of the Seventh Five Year Plan, State-wise ;

(b) the percentage of area envisaged to be covered duriag the Eigth Five Year Plan period ;

(c) whether much of the irrigation potential created over the years in the country is not being fully/utilised; and

(d) if so, the reasons thereof and the action taken to utilise the irrigation potential to the fall ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND-NETAM) : (a) The percentage of total irrigated area with respect to total cropped area in the country during 1989-90 (terminal year of the Seventh Five Year Plan) State-wise is annexed as statement. *(See* below).

(b) It has been envisagsd to create additional irrigation pot*ina tial of* 15.8 million hectare duing the Eighth Five Year Plan perid.

(c) Much of the irrigation potential created over the years in the country it being utilised.

(d) Creation of potential and its utilisation is a continuous process. A lag of a few years between the creation of irrigation and its full utilisation is unavoidable as it takes time for the farmers to construct the field channels and to prepare the land for irrigated farming. Also the switch over from the rainfed agricult to irrigated agriculture involves a major change in agricultural practices and techniques which farmers take time to master. The Government has been implementing various crop production oriented programmes as also providing extension support to train the farmer for adoption of modern farming techniques.